

सुखविजय

आशा नरेश्वर

172

ASIA ARCHIVES

१ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 लोकनाथं महात्मानः परमं
 महालाजं त्रिनमालिनमा
 त्रमाश्रयात्सलोकेश्वरम् ॥
 ज्ञायामासुर्वकालं स
 न ॥ श्रीगुरुभाषणं श्री
 नाथगयाः ॥ नमो भगवते
 ज्ञायामाश्रयात्सलो



॥ १ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 हस्तं गणपतये नमः ॥
 सह ॥ ॥ ज्ञायामाश्रयात्
 ज्ञायामाश्रयात्सलोकेश्वरम् ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 ज्ञायामाश्रयात्सलोकेश्वरम् ॥
 नमो भगवते वासुदेवाय ॥

वसनाङ्गः प्रथमस्तं किं पुनरुक्तं साहास्यविशयाङ्गः सिलसुतालातकाङ्गः पनस्यस्य
वः पूजायानाङ्गः नृकं विनननननननयाङ्गः ॥ अष्टमिवर्तयोः नद्वेसाधनया ॥
वहाखाः नहानागधधलहाः पात्रिपुत्रमाहानर्जयाः अस्वकवाजा नरुलहाकृक्
ताजासाहावीहालसः उपगुफहिकुयाकः प्राथनायाकल्वरुलः ता उपगुफहिकु
धकः वृलधालयाकोवेल्लुद्रुतिरुः नापयाधधकः जयाः गधधलहाः वृलधालयातः ॥ अष्टम
वहः अन्यगधधम्यगयासहमावः अन्यगधधमाजातुआदिनः नरुलयेताधधम्यकधधितनः

[illegible]

अष्टमि मनन आसिवाहो न्य भूवस्य नैरुते जूयिडाः अनस्ति जूर्ध्व पातु जो ना डा रू या २४ को त्रयाय
 होपन मस्वपथ के हावे नाया नाडा जूर्ध्व विषय जपत प ध्यान या य थ्व न धून का डा पू का हि
 न गूर्ध्व निरुदक्षि ना विषय वस्तु न त्रिय के ॥ हो जूर्ध्व क ना जा थू गूर्ध्व प्रकाशन न म रू न
 सा अष्टमी वति उपासन या य चैत्य पुदक्ष नाया य धर्म क था इ न्य ॥ श्री ३ वृध धर्म से
 घन मरुका प्रयावर्ष चो मृत न स जू के या ना डा पा न न या य ॥ हो हो क ना जा अष्टमि वृत्त या
 धि धा नि न ड ना डा न या थ्य ह न न के न ध्वन ॥ ॥ हो जूर्ध्व क ना जा ह न न ह न न क ना

॥३॥

वृत्त

न्यउ. पूना पूर्वकाले स॥ श्री सा कर्मिह रगवान द्रुकादिन स आने दहि शुभसूच सर्व
नीलवनवि सर्कति वाधिसस्व सुहित मिनिदा त्वहि शुभसूच न मिनि दाल मवि स
न सर्वस्य सुकाशा ग्राहगवान जूलसा अकन द्यात वन स को हा विज्या नाडा कवि
नवन मा हो नग नया पान थ विस्व धम या नाम उमान स अथ क मा हा सूधरमी स
नि ॥ म्मे स्व म हो न डा धन लो हे र का द डान्य ग्रासा कं मुनि हग वान विज्या न गाथि
शुभमान न विज्या त धाल सा॥ थडा स नी न न वै च न गिया न जपि क या डी स म द्दस्य ।

२ ज्या

भूद

॥ ६ ॥

विज्याती ॥ ॥ ध्व वलस हो भूख क ना जा ध्व न ग न या पा न य सं ध्व ली ह न स वि ना उ
ना ना ध म्म या क थ हा क ना उ वि ज्या ती जूल ॥ ॥ ध्व न लि स्व र्ग म ध्य पा ना ल या द व ली
क प नि स्य न स म स ॥ ध्व प च न गी या न ज उ उ गू ख बा उ ध्व न ज स या क न उ ल ग व
क न उ ल ध क द व ली क प नि स्य न थि थि वि चान या ना उ चान थान लि स
वि ना म ब्रा स न द्र स्य न धान ॥ ॥ द व ली क थ प च न शि या न ज उ गू म व

बहु

॥ ६ ॥

देव यात जमवू ॥ श्रीस क मूनि ह ग वान या न जयू का ध के सु डि वि द्रा स न न ध न ॥ ह
न न देव लोक स्व ग जूल ध ल सा पृ थि वि म द ल स क पिल व सु मा ह न ग न या स नि
व स मू ध रू मि स ला ह रू त या दे व न्य श्री सा क मू नि ह ग वान न जूल सो थ डी स नी न न
व च न गी या न ज पि क या डी ना ना पु का न या ध र्मा क थ व्या व्या न या य त नः ॥ स्व न न
धू न का डी जो ति थ न डी ल ध के स्व सु डि वि द्रा स न न जूल सी दे व लोक या त क ने ॥ ॥
ध न ली थ न सु डि वि द्रा स न न या ष डे ना डी नु न्द्र आ दि स म सु दे व लोक प नि स नः

ॐ नमः

॥ ५ ॥

अथ सूर्य विवाह नया के डे नं ॥ अ नलि समस्त देव लोक या वचन डे नाडा अथ सूर्य
विवाह नन धाल हा देव लोक अथ अ वस्य न सडा आडा मिजि समस्त मून काडा पूजा
जाल न दय काडा मसम दल सडा नाडा ॥ ग्रीसा के मूनि हा वान या मधून वा क डे नडा
न्य नू या धर्क धया डा अथ सूर्य विवाह नया हा बा डे नाडा देव ना क स कल या मन
सहस्य मान या नाडा ना ना पूष्य धूप दिप ने व व दे हुं त्या दि विधी पूर्व क न पूजा जो
न न दय काडा सूर्य विवाह या आ हा अथ देव ना ज हुं ड्र न देव लोक या हुं अन्य आ हा

वर्क

॥ ५ ॥

दयकृत्तुवमदवमाजहुंनुवातावाडेनाडासूडिबिवाहप्रमूवनंदवलाकसकल्पे
चकुमार्गमाहावाजपुतवाबुविमूधकविनूपासहनचतुर्दसकवनयादेवनागजदे
नाभासमाधर्वकिन्नरमहोवगाजमवपूनकुचनवासूकुम्हादभूपसनागनसैलमून
काडासूडिबिवाहवनपूजाहमजीनकाडाहुंनुनछत्रजीनाडासमस्तदेवलोका
नानागपूष्यधूपजीनाडासमस्तदेवजीकनलितकाडा॥अनगरयासमिपसपान
अविस्वधयाइमानससयासिनाधर्वनामजूयाचोगुलाहृतयासमिपससमस्तदे

मूकमि

॥ ६ ॥

बला कष नाथ्यन कलेडा नथ्वन निथ सडा सुवाहन पुसू खनै देवना क सकल स्य
नंग्राहग वाभया च नन कम न स हा क पूया डा सुडि विवाहन नन जून सी विधिवि
धन थ पूजा यात ॥ ग थ ध ल सा क पा गंगा जल न स नान या त का डा पंचाष्ट
नन ले प न या ना डा पूष्य धूप दि प नै व द छया डा ना ना सुगंध स्वान छया डा पू
जा धून का डा ह न रु ल मूल छया डा चिव न नि वा स न छया डा पि ड पा उ दो ह
ल पा डा किं कि नि जा ल प ना डा छ उ आदि न धो ज वा य का डा ना ना वा जा था त का

वर्क

॥ ६ ॥

डा जय न प ध्या न या ना डा ॥ स या ॥ थ रू या ॥ थ रू को का प्र या थ या ना डा ॥ ला हा न हा ज न
या डा ॥ ना प या त ॥ हा प न म स्व न सर्व हू ग्री ह ग वा न ध क र क पू या डा ॥ ना प या त ॥
ज थ ध ल सा ह ह ग वा न ह ना थ म व ता ध क थ न डा या म सू दु नि मि ति न ध ल सा जि प
नि स म सु ध र्म या क थ डे न्य ॥ छा या ना डा ॥ नु आ दि स म रु द व ला क प नि मू न
का डा जि प नि डा या ध क रू डि वि ब्रा ह्म न न वि न ति या त हा प न म स्व न ध क थ सै सा ल स
मा ह्म त ता ध न जू या डा चा न गू ग्री भू सु मि व त ध क रू ध लं थ न न ग्री भू मा ध पा स लोक

अथ विष्णुसंज्ञायां प्रसन्नजस्य विज्याय मालाप्रमस्वनथ भूषुमिव तु जिपानि स्य
न च पलपधर्कं तालपाडा जिपानि सकलं ह्यलपोलयाथ असडाया ॥ आडाथ न वृत्त
॥ ७ ॥ या कथमसमस्त प्रसन्नजस्य विज्याय मालाधर्कं ॐ नु आदि वृत्त विष्णुमहस्वन प्रमूष
सुदिष्टि वृत्त न न विन नित्यात यन लि वृत्ता विष्णुमहस्वन प्रमूष सकल्य सतामदल
दय काडा धर्म या व्या व्या न डे न्य धर्कं तगवान या स्वा ल स्व या डा चीनी ॥ ॥ थन लि
तगवान विज्यात धर्क धा डा गूड ना पच दस रूवन या शुधि ना रूवन या दस दिग रूव

प्रक

॥ ७ ॥

नयाचतुर्दशतुवनयासमस्तदेवलोकात्मनाऽथसहस्रमहेश्वरकेलौ॥ हन
चतुर्माहानाजापनिसिद्धागमपनीसाध्यगमपनीमविचनीजोमिस्वपनीहनेविद्या
धनयागमपनीउपासकउपासिकायागमपनीध्वरेसमस्तलोकाऽयाऽशीरगवा
मयास्तहस्रविर्यानाऽपूजायानाऽपूजाधूनकाऽशुभेन्द्रादिवाह्याविष्णुमहेश्व
रप्रभूषनसूयस्वकातिदेवलोकेनैलाहन्तहन्तलपाऽविनतीयातीराशीरगवान
प्रम्यस्वन्तुलवालयाचननकेमलसहस्रकोटिनमस्कानहेहगवात्म्यवता

॥ ५ ॥

धर्कं डीयामसूदगूली यविनति यायडस्य विज्यादुन्ये गः थधखलसा वृकंदकासउतु
नजूयाडीचानगूभूमि वृकं याकथडः न्यधकं दुः सायानाडी डीयाधकविनतियात
अंतं देवलोके यातासाडः नाडीभूमि वृकं याकथडः न्यधकं दुः सायाकषनाडी ग्रीहग
ननजूलसा भूति कत्रु नाचायाडी ग्रीभूमि वृकं याकथडः न्यधकं दुः सायाकषनाडी ग्रीहग
वलोके यात भाद्रपदयकस्य विज्या ॥ ॥ हाहुं नूनाजा सडि विद्या हनन ह्यभूमाक
नाजाधर्कं इयनि सनसगसु थडः थचि तस्थिनया नाडी डः डीधक ग्रीहग वाने काम

वृकं

॥ ६ ॥

नवाकन आ द्य कर्त्त॥ हा देव लोक गः थ ध सा द्रा पा द सा क्र स ल पा प नी ल का व
गीगा स नान या ना डा सू चि व स्र ने ति या डा सि ख स्र ता ला त का डा जा त वि स्य स न प च ग
हं क या डा उ पा स न ची न्य थ न ली गी अ मा घ पा स लो के ख न या म द ल द य क थ या
पि न्य सू य नि ता वि दि न उ य क थ म द ल संपूर्ण क ल स थ प ना या य वि धि वि ध न थ
ता ल ला त का डा पू जा या य गी गा ज ले न स्ता न या च क॥ प चा मृ त न ल प न या य पू य धूप
दि प गी ध ने व द रु ल मूल गुं त्या दि छा य द क्षि ना दा ह ल प प्र द क्षि ना या य थ व त पू जा

मूकमा

॥ ५ ॥

कर्म धून काडा थडा मनन गूगुलि काम ना या ना उगूलि रुान्य जप वष ध्यान वाय
रूया थ तो गुया य हास डि वि कृष्ण न हन थ न विधि पूर्व के या य मरूत सा उपासन
मा गुचो न्य जिडा सिधर्म या के थ ड न्य ध क धर्म वृत्त या वशी रगा वान न जूल सी
हुं हु प्रमुख समस्त देवता क या त आ ह्रा दय काडा विज्या र्थ थ न ली हन के न थ व ल
पन म्य सन धर्म या व्या ध्यान आ ह्रा दय क गूसि या डा थ थ य स वि हू जन पनि मूनी
स्वपनी हन थं प्रथि विमद ल स व स ल प ची न द या चा का ना जा प नी वा ल न व स

गन

वर्त

॥ ५ ॥

[illegible]

ॐ श्री गणेशाय नमः ॥ नासन उग्र पथन ग्रीह गवानया अथ सत्यन कल उल्ले ॥ २४ वें न स २४ वसिष्ठ मयि उठा स
ना उठा उपगुपत रिशुन भूस्वक नाजा या हठा न्यधमलं ॥ २५ भूस्वक नाजा स्वठा २२ वसि
॥ १५० ॥ २६ निषिथ मछाय उल्लेख धर्क धया उठा नवन रग वानया ब्वा लस्व या उठा समूर्क चाना
उचाने ॥ २७ धनं लि उपगुपत रिशुन जूल सां भूस्वक नाजा या त ग्रीह गवानया म दूमा
॥ २८ ॥ २९ सन मागु सवन धून काठा ॥ ग्रीह गवाननं भूस्वक नाजा उपगुपत रिशु प्रमूषं द वलोक
सकल्य मून काठा २४ वसिष्ठ निषीया ब्वा लस्व या उठा भू ह्मा दय काठा विज्यात ॥ ॥

वेरु

॥ १५० ॥

२७

२७

२७

हावसिष्टनिधिस्वनद्वयनीजिह्वाहृद्यमयाकाननकुन्नुसथयुयुयाथअसनीज॥
यातकश्चिद्याअसतासायकांजावतासायका॥लूसीतासायकांजाय॥का
ननमदयकंअसथकालवहनंतियाअकायजुया॥हनः॥असमूयाना॥विष्णुद्वय
प्रधानावधुयजुयाहननलिलअनीगसिज्जावो॥नः॥असथथवहलीलयातअति
कश्चिद्वयानावःअसथेअस्यतायानावधुयजुया॥थयाकाननसमश्चितकन्यमालधकंभीर
गवाननंतवसिष्टनिधिःआद्यालसयावसुमर्कःवहुरुनद्विलावआद्यादयकल॥असभीतजवा

नृपति

नया आराधना व्रथ स्रव सिष्टं नृपति गवस कनू नम स य ननात्ता याव्याल ह्ययाता विनः
ति यातं तात गवान गौर सध कति थ थ जू यागु संव ता काजन स अ जिगु म ह मा स मरु
बू ल पा ल स्य न सि ह्य वि ज्जा कः जिन कू विन ति या यः जि गु दूर व द या धी की सि ह्य वि ज्जाः
क स बू ल पा लः ता ना थ विन ति या यः मरु जा म अः अ थ न विन ति या यः ता प नः
म स्र न नि न जनः जि थ थ जू या या का न न स्य व ता म अः जिन जू ल ताः मा स्र प्र का स ध या
ज्जा सः ब्र ह्म या ना तु याः स त वि दः द त आ ता त ल्यं ॥ जिन ध र्म ता य म रु या निः २ व तः

॥ ११ ॥

५ त मा का न न न ५ का के न आदि द स जू गूलिया नू सि ग हा य क जू या ग्वा च ता हा के
जू या ग्वा च ता हा य क जू या ह न काल वस्तु न तिया उ वि ष्टु च नू य ना उ जू या हा पु त्मा श्री
सा क मू नि ध के थ त मा स्व प वा स वृ ह या रू ल ला य का म ना नै थू का जि थ थ्य जू या हे र
ग व न आ उ जि न ग थ या य मा ल जू थ जू हा द स वि ज्या ह नै थ के ना ना पु का न न थ
स व सि सु त्रि वि न ला हा त हा ज ल या उ वि न तिया ना उ ची न ॥ ॥ थ नै लि ग व स व
सि सु नी वि या जू व स द य उ ना उ श्री त ग वा न नै जू ल सां थ ह व सि सु त्रि वि या खाल

इति

५५३॥

स्यवाजो भ्राह्मणदयकल ॥ हावसिखनीवीन्यड-बुजा मूर्धन्युका आममासपवातवर्तद
नाडा बुहुका मनारुनाथकेशीतगवाननमूर्गुहननिलाडा आह्लादयकले ॥ हावसि
खनिषिबुधिलमाहा मूर्धन्यवसुमडुधकं मूममासपवातवर्तदना जगयावुनतवु
गारुलमडुथडा सनिलयातजकमाहाकखजयकाडा दुखसिकाकावुनतरुलध
कं भ्राह्मणदयकले ॥ ध्वनशीतगवानया भ्राह्मण्यनाडावसिखनिषिनजूलसाथ
जो-थथमक्षमासूकालनयाडा कवुनाडा सहालाहातनेडूकूउयकाडा मिकार

५५३॥

निधी

स्ववित्तया उमाहा विपत्तियाना उलज्या चाया उथ न यथ मन धिर्ज याना उा हनं क
नं विक्षती यार्ते ॥ ॥ हृत् गवा ने हनाथ आ उा जिन बु विन तिया य आ उा जित न
नान उ धान याना उा प्र सन्न जूस विज्या यमालः शोप मे स्वन चुल पो ल यो च न न स
सहस्र कागिन मस्का न ॥ शोप न मे स्वन ग्री सा क मू क्षि हन जिन विन ती या य न स्य वि
ज्या हन्य ग य ध म ल सा थ सं सा न स उ ला ह ध या गू ख डु या रु ल ला य नि मि ति नं ध
र्त जू र्थ काम मो क्ष ला य काम नान थ मा स्व प वा स ध या गू उ पा स न ची ना गू स त क्षि

वसिष्ठ

॥५॥

देवदत्त आतातलीं त्वरु लमलानि आतागयथायमाल ॥ जि जू निज्याता
जिन धर्म वर्तुदने गूविस्वयमसियाता जिनं थथिन दुखक सुजूको नयाता जयाताना
थ आताजित उधन यायू लम्यवसूनमउ कलपोल च कस्यननक्षायामाल ताहगवा
नथ्वनलीकायायाना गूवर्तुदकनिसरु लजूल आताननानं धर्म अर्थ काम माक्षरु
ललाहं उता गूलि म्यवका धर्म वर्तु यास जित प्रसन जूस्य विज्यायमाल धकं अनेक
प्रमानं दिन तीया नाता चानं ॥ त्वत् वसिष्ठ निधीया विनती वचनन नाता ग्रीहगवान

५३॥

निधी

नेमूतूहंनङ्गिलाडाआनदनविज्याज्याती॥ ॥यनलिहनेंशीहगवाभयाखालसया
डाभ्वल्लवसिष्टुत्रिवीयामनसजूतिउखनेपिदलपाडामाहाकष्टयानाडानागनंस्वा
स्तयाध्यंमासकालजूकीतयाडाहनंवाथेनायातं॥हीस्वामिध्वससालसनक्षायपू
म्भम्यवसूनमउचुलपालचुम्भदडा॥हीपत्रम्यस्वननिनंजनचुलपालगयिह्मध्वल
सांसमस्तुदेवयातंप्रानिजनयातत्रक्षायानाडाविज्यायमाल॥हीप्रानिजनयातत्र
क्षाययाडाविज्याकस्तमाहात्यागिजूयाडाविज्याकस्तचुलपालसर्वहृदयाह्मचुलपा

वसिष्ठ

॥५८॥

सहजजन्मपतिनानादानदातव्ययानां विज्याकल्लुलपाल॥ तपत्रम्यसत्रहनभू
न्यगदवता आदिसमस्तलोकयात उपदेसविया विज्याकल्लुलपालहनाथलुल
पाल यामहमाजिथिडहमज्जानि जातिनं कुतोरुयाययदुहुं उा दालकिस्सु उथूल
उा चानल्लस्ययनागयागममडुदससिलदेया उा चानल्लनावनया सामथमडुजि
थिलकिं चित्तमूर्यनल्लुलपाल यात ता प्रयायमानरुयि उा ॥ तालोकनाथ श्री गभक
मूनिजितननानेनक्षयायास्य विज्यायमालधके माहाविनाययानां उा चाने ॥ अथ व

॥५८॥

नीवी

सिद्धिनिधीयातामाननाऽऽमृतिक्त्रूनाचायाऽऽशीगभकमूनिनआह्लादयकले॥
सावसिद्धिनिधीचुनन्यऽऽगऽऽगलसाध्वसंसातजूयाऽऽचीनगुलिबुर्कमान
चुनतकन्य॥चुनचित्तधिर्जयानाऽऽनऽऽध्वसंसातसधर्मलायगुयाहंदमसि
याऽऽचानं॥गऽऽधलसायकचित्तनकायवाकचित्तनंशुद्धयानाऽऽ॥नागद्वयमा
हमायातालताऽऽ॥धर्मयातावनायानाऽऽचीनमातहावसिद्धि॥आऽऽऽकपनि
स्यनधलसाध्वलानलानाऽऽधमयागुमरूता॥ध्वलाकपनिस्यनंगऽऽचनपाऽऽ

वसिष्ठ जूल धमल साखत गति संसाल स हलल पाडा जून्य ग मा या मोहनं का क पू या डा जून्य
ग प्र का न नं ध न द य कं ध कं ध र्म म धा स्य लि ग ति ला य क रू जू यू डा हा व सि ष्ठ थ व र्म म
सि या डा थ्व ला क नं ध न द य कं ज क हा ल पा डा जूलं ॥ थ्व ध न ध म ल सां य दु ग ति सं साल
या त मा ग थ्व ध न प न ग या त म डू आ डा चु नं थ थ्व ध र्म या ह द म सि या डा थ्व स त्रि न
या त ज क डू ख क षु वि या डा जूलं हा व सि ष्ठ चु न ध म ल सा स त क्रि दे १०० द न मा स
प वा स व र्क द ना डा जु या आ डा त र्थ ध र्म ला य म रू नि ध कं ध म ल हा व सि ष्ठ थ्व

१५५॥

विषी

संस्तानया लोकयाज्ञानगच्छधनसा॥ माहाज्ञानापूर्वतयाचाससिमाया मूलक
चाससयाडाचानसिसारूलखानाडानयतलसायानाडाजूडा॥ हनरुमलयाक्ष
दयकाडातडासांनथखानथयाडावुयतलसायानाडाजूडा॥ थाथिरुमहाभूष
निलाकेननानाप्रकानयानाडाथदयाचोकेनिसरूलथका॥ हनं हनूमाननं भू
मृतरूलनयमसयाडाजूषतनंनयाथचुनथुगुलिधर्मयाहंदमसियाडामास
पवास्वरूदनाडापुन्यलायधकंजुडाह्रआडाथडासनिनयातजककवृजूय

वहिक

१६॥

का उ प्र उ ल म म म थ ध र्म या त द म सिय कं ध र्म या त सा अ म थि नि स रु ल उ
प्र उ ॥ स रु न न ग म थ म सिय कं दान दा त व म या स मा स्व प वा स व र्क जू का या
ना उ जि उ ला ॥ हा व सि रु म थि जू म थं दान दा त व म या स थ उ स नि न या त
ज क क रु या ना उ ॥ ध र्म अ र्थ का म मा क्ष रु न ग न ला य रु यि उ स रु द रु
य दा ल रु द स म अ म मा स्व प वा स ध र्म या त सा रु न त रु ल म डु ध कं आ ह्ना
द य कं लं हा व सि रु रु न मा क्ष ला य जू ल सां आ स व य म तं ॥ अ नू सा ल न दा स दा त

१६॥

विधि

वयायमाल॥ हतास्वायमतभूमथधर्मयातजूकादायतयाडाजडाहंनुनिधि
धकंनानाप्रकाननशीरगवाननंहातं॥ ॥ हावसिद्वन्यडचुनतजिनंज्ञानवि
यचुनमनसचाकाजिथासधाडाचुसदहमडः हावसिद्वचुभूज्ञानिज्ञयाडाभू
र्यज्ञयाडाथलकायानागुवर्तदकनिस्सलज्ञयाडाडानं॥ आडाचुनतनना
नंधर्मैलायदयूगुधर्मउपदसवियनेडः गव्यधमलसा॥ चुनंजलसांका
यवाकचिरुसूधयानाडायकचिभयानाडाभूमचुनकापायानागुवर्त

वसिष्ठ

॥५७॥

शालताउत्तुगुर्वर्तसचलप्रसा॥ पापचिरुनासजयाउत्तुगतिस्वास्त्यु॥ वि
स्यवनंथउत्तुचिरुसूधयायमालमजूलसा जून्यकधर्मेवर्तयातसांनिसुल्लो
यिउत्तुत्थं२ पापचिरुजयूपापचिरुजूयाउत्तुगतिजूयाउत्तुनसांननक
रागयायमालिउत्तु॥ अन्त्याकाननसनानाधर्मेयातसांथउत्तुमनवचनगुद्वया
यदानयायः शोवसिष्ठु अन्त्यायातविचामयास्यधर्मेयारुल्लोपायमाहाकथ
उत्तुनः शोवसिष्ठु चुनतवृत्तिधर्मेयावकन्यधुनहनचुतनिवृत्तिधर्मेयावक

॥५७॥

विधि

नय कचिर्लया नाडीन ड. गथ धल सा ख डी आत्मा डी प्राणि जन या आत्मा डी उ
ति ताल पा डी क नू ना त या डी ॥ रु या थ य डी अ नू सा ल थ ध र्मे दान या ना डी ची
न सां वृ रि ध र्मे ध य थ सं सा ल या प्य ता त य त प्र ज या डी ष दु र्ग ति या पा प मा च न
जु या डी ध र्मे अर्थ का म मा दा ला ना डी ॥ च उ वृ ल वि हा न या रु ल ला ना डी ज
न्म ज न्म प ति ज ना व्या धि मृ वृ त य मू म्वा ल का डी ॥ प्य ता त य न न क्ष म जू या डी
मा हा शु ष सं प ति हा ग रा य द यू प्र न लो क सं हि ड. कु ल स ज न्म का ल व न्य द यू

वसिष्ठ

॥५८॥

सा वसिष्ठ आ डी वृ न च ल प्य धा ल सा जि न क न्य ऊ डी ग व्थ धा ल सा गी जू म्मि
वृ र्त्त च ल ल प्य ज ल सा नः म्य व ना वृ र्त्त च ल ल प्य ज सा न त डी क म्म म या स्य ध म्मे ला
य थ अ कु लो व सिष्ठ आ डी वृ न अ व स स थ्व अ म्मि वृ र्त्त च ल ल प्य जू ल सा चित शु ध
या ना डी ध म्मे द न्य जू ल सा ॥ नाना नं ध म्मे ला य ज ल सा जि नं त क न्य धू नं ता व सिष्ठ वृ
नं य क चित या ना डी द डी ध कं आ ह्ना द य का डी वि ज्या तं ॥ ॥ थ न ति श्री त ग वा
न नं आ ह्ना द य कू गू न्य ना डी व सिष्ठ नि षी नं सह सु का ति दं द डी त या ना डी मे न स

॥५८॥

विष्णु

हतास चायं शीतं तथैव गतया पाउकास हा कपूया डी ला हा त हा जल पाउ
हुं नाप या तं ॥ हा निजने ॥ बुल पाल गति ह्य ध ले सा द व लो क द का या ना थ
ज्ञ या डी वि ज्ञा क ह्य ॥ ह न भू न्य ग ज ग ज ग प ति ना ना दान दा त व या ना वि
ज्ञा क ह्य ॥ ह नं ध्व सं सार से भू न्य ग ध र्म या उ प द स वि या डी वि ज्ञा क ह्य ॥ ह
नं भू ध म या त हृ दि दान या ना डी वि ज्ञा क ह्य ॥ ह न मा क्ष मा र्ग या ल के ना डी
वि ज्ञा क ह्य बुल पाल ॥ हा वि स्व त्र आ डी बुल से नं ग च्य ड न व न स ल के ना

वसिष्ठ

॥५८॥

अंजितधर्मोपदेसवियातामाक्षतान्यगुलकनाताप्रसनजूयमालधवं
मिषासवाविषीतयातालाहातहाजलपाताविनतियातं॥ यनलीध
नवसिष्ठनिषीयाविनतिननाताकनूनात्मासाकमूनितगवाननंभूहृद
यकलं॥ एवसिष्ठराजसूकनाजाचुपनिष्ठधर्मोपदेसवियनंङ्गव्यध
लमापुनापूर्वकालसदेवमनुष्यसमस्तने॥ यजुष्टमित्रर्कचलपाताचान
गुततूकाननमाक्षपदलायदयिगू॥ इमिस्तनधनलप्यवाक्कायातसाकनू

॥५८॥

निषी

नामयया जूळमिवर्तुचनलप्य॥ स्ववर्तुया गूजववर्तुथलसा कार्त्तिके गुङ्ग या
जूळमिआदिगवानहृद्यानक्षत्रस्वर्तदिनेनिस्यंमासगुङ्गपतिमाहागुच्चिसि
लया नाडा स्वर्तमयनंपूजा जालनंदयकाडा विधिविधानं विधिपूर्वकदय
काडा स्ववर्तुद्वयं॥ स्ववर्तुया प्रतावनंडुवसियमूम्वालकधर्म अर्थकाममा
सलायिडा॥ तावसिष्टमथिथिगूधर्मसवुपानिस्यनंवर्तलप्यहं नीधकं यी
रुगवानंनं आह्लादयकाडा विज्याते॥ ॥ यनंलिग्वहसर्वरुया खाननाडा॥

कसिख

२०॥

असवसिखनिवीनं हूँ ॥ नापयातं ॥ हाहागवानहाय हाय थायिगु धर्मवर्तु स
वललप्यगुजिनमसियाबुयायदवपनिस्यनेजितचुलपयातंजिनमसिया
अमास्यपवासवर्तुजिनवनलबुयाडावानांहानाथजिनंथायिगुवर्तुया
कथमजिनइन्यमननानिआडाचुलपालयाकृपानजिनइन्यदहाहागवा
नआडातिनिजिवसिखधयकाडाजूयायासाहलेजूल ॥ हाहाथाआडाजि
नथ्वभूवमिद्वर्तुयापून्पयावधर्मउपदसवियाडाविज्यायमाखेहनंथ्व

२०॥

निवी

वृद्धिर्वर्द्धय विधि विधि नंगत्थ २ माले हने थ्व अष्टमि वर्द्धे धया गुपूना पूर्व काल
ससूनां २ च नल पाठा ठाने धकं विनति यात ॥ थ्व देव सिद्धि निषीया हा खाने ना ठा
गीत थम गतने आह्वा दय कलः हा वसिष्ठ थ्व अष्टमि वर्द्धे धया गुपूना पूर्व काले
संज्ञा पा समस्त लोक पनिस्य न च नल पाठा ठाने ॥ थ्व यापू न्यने थू कामा हा त ठा
धन मा हा उरु मजू या ठा ठाने गूली यच्छे न त क न्यय क चित या ना ठा इ ठा हा व
सिद्ध आठा च्छे न झा पा च नल पाठा चीना गुमा स्वय वा स वर्द्धे समा फ या ना ठा थ्व

वसिष्ठ

॥२१॥

भूषमिवर्तु आनं ह या उ ध कं आरु द य कु गू उ ना उ अ ह म च सि व नि वी नं जूल ल
थ उ द्रा पा द ना उ चा ना गु मा स प वा स व रू स मा फ या ना उ चा नं ह न अ व सि
ला क स न या भूषमिवर्तु च न ल प ध कं य क चि रू या ना उ चा नं ह न अ व सि
ह म वि नं जूल ल सा मा स व वा स व रू स मा फ या य धू न का उ थ उ म न न हा ल प
आ उ थ नि या दि न सं निं स थ थि उ भूष व रू च न ल प ध कं मा हा ह र्ब मा न या
ना उ ह न क नं वि न ति या तं ॥ ध्य न व सि व नि वि य ता वा इ ना उ श्री ह ग वा

२ श्री

॥२१॥

विधि

नन आह्नदयकलं ॥ रोवमिस्त्राडीतुनतजुवमिबुर्कयापुवयासकन्यगव्य
धलसामाससूकयाजुवमिस्त्रजूलथवर्कचनलप्ययातक्रायापुस्वनयाकम
नयाडा ॥ गुविलखनंस्नानयानाडापक्वर्गवनंथडासनिलसंहाराडाः स्वगमय
वस्तुनंतिगाडाचतुव्रष्टविहानधत्तलपाडाः दसांकुसलयापकासताडासत्वपा
नियाककनुनातयाडामनसहर्षमानयानाडाक्रायाथीजुमाद्यपासमडल
दयक ॥ सूयनिताविहिनउयकाडानडाहडाजयासाम्याकपिलाथजहससाया

वसिष्ठ

२२॥

उडुपूर्वकलससउथनाउमदलसथपनायायविधिविधनथपूजायायह
पोगंगाजलनस्नानयातकःपंचैरसूगंधनस्यपनयायःपंचामृतनस्नानयातक
जजमकानकायायकनानासूगंधस्यानश्चयपूष्यधूपदिपनैवहंसूतले
त्यादिथमनरुकोकाललातकाउाश्चयजपतपध्यानयायंथैतधूनकाउां
धैवियतात्रयायलाहातहाजलपाउाथउामनयावदनाथमनयावदनाथमन
मियाउाउगुलिपनमस्ननयाकरोन्यंअंसनरुखजूरूउाथतधूनकाउादक्षना

२२॥

त्रिषि

कायपूजाहितपनिस्कः आसिवादर्शनधर्मकथाऽन्यदनावस्तुदानवियथडा
मूत्रसालनरूपाथरावयाय॥ ध्वतसमस्तधूनकाडापवास्तनसंजुक्तयाना
आपातनयायतावसिस्तुग्वलस्यनेध्वजुष्टमीवृत्तउदमयानाडाधलतपिडाध्व
यारुलध्वलिउलीधकंजिनसंख्यायायमरूपाथथिडः माहाउरुमयारुल
उपासनवानामाग्रनेहुठहराकसमाहागुयसंपतियननाकसगुवावतीहवनस
वासदास्त्यायिडातावसिस्तुथथिडगुधर्मवृत्तयासंख्यायायजिनमरूपाः गीथ

३थि

कसिद

२३॥

धलसाथसंतालसदस्यवानसफसागनयारिगवलधूलिउधकंजिनसख्याया
 यरुहंनंआकासनउतागुडभरूतियासंख्यादडाःहनंथपृथिविसश्वमासिमा
 दसिहलथहलउधकंसंख्यादडाहनंथपुंविमंधासंथपूडधकंसंख्यादडाहन
 नियपादतवानक्रिनंउभगाकगूयालंथरूतियाख्यासकन्यारूयाहनंथपृथि
 विमदलसभूनजाकिथगवलधूलिदडाधकंसंख्यादडाहनथससानसपानि
 दकंयाससिचामेसपूथ्वपूदडाधकंसंख्यायायगूयाथेभूमिब्रह्मयापूभ्यया

२३॥

निधि

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥
 कुरु मे धर्मं दत्तं त्वया ॥ १ ॥ ॐ नमो भगवते
 वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ २ ॥ ॐ नमो
 भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ३ ॥ ॐ नमो
 भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ४ ॥ ॐ नमो
 भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ५ ॥ ॐ नमो
 भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ६ ॥ ॐ नमो
 भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ७ ॥ ॐ नमो
 भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ८ ॥ ॐ नमो
 भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ ९ ॥ ॐ नमो
 भगवते वासुदेवाय ॥ श्रीकृष्णाय नमः ॥ १० ॥

वसिष्ठ

॥ २८ ॥

सर्वं ह्येदं न भूतदा गवस्य नंगुगुलिदानकायधकं उलउगुलिधुं क्षादानयाना उ
धमनपंचामृतनंसं जूकया नाशपालनायाना उचानं धवनलिध्ववर्तया पुलावनं
ध्ववसिष्ठत्रिषिने न नानधर्मो अर्थकाममाक्षला कजूल धनलिगव बहगवानं
वसिष्ठत्रिषिपुसूयनदवमनूयसकल यार्त हन - आरुदयकेलंग धधमलस
ध्व अक्षमिबुरु या पुलावनं दानपालमिता न पूरु जूयका डा अने का ल संवी
धिह्यानला ना उ सखावतिरुवन सवास सायि उ हुं हना क सं मा हा ला रुम

२८॥

विषी

निजुयाडा माहादाता जूयूडा लक्ष्मिथिन जूयिडा हावसि वृथ अशुभमि वृरुयाखः
श्रीजुमाघपास साक सनशी ३ वृद्धधर्म संघतलक्षवृथ अपनिस्किपुदक्षिनाया समा
लथ्वतया तसां अश्वस्यनं स्मरुपापना संजुयाडा दिष्टी आयू जूयूहन यडा सनिनसकु
रु आदि स्मरुनागना संजुयूनिर्मल सत्रिल जूयाडा अंतकाल सगी जुमाघपासः
साक सनया अमृतातडा तथगतया थसबास लायिडा थथिनगु अशुभमि वृरुसः
मरुदवदं त्यमनूय समरु सनवनलप्यतडा हावसि वृथ अशुभमि वृरुमाहा

वहिक

२५॥

उरुमगुचुनंवनलप्यजधकंधयाजहकनंआसूदयकलेतावसिरुधकंपूनापूर्व
कालसथ्वभूसुमिबुलयाप्रहावनंथूकासम्यकबूधधयकाजविज्यातंहनंसत्यजुग
सविज्याकभूशुविपष्टितभगतंभ्वभूदभिवलयाप्रहावनंथूकासम्यकबूधधय
यकाजविज्यातंहनंकनकसूनिक्कुचुंकास्यपसिथिविस्रवसाकसिंहधयः
निद्रसभगतभगतपनिसमसुसम्यकबूधधयकाजविज्याकगुथ्वभूसुमिबुल
याभूत्रहावनंथूकाहावमिहजिनंभ्वभूसुमिबुलयाप्रहावनंथूकासावसिंहधय

२५॥

विधि

यका उवा नाहने लिपत संजुयि पमि समस्त या अहं अहमि ब्रह्म या प्रता वनं पुज
पूरा वसिष्ठ जिने अहं अहमि ब्रह्म या प्रता वनं थू का सा के सिद्ध धाय का उवा जे स
मान सनित्त जूय का उवा नाहने उयि ता त वन स देव देत्य मनुष्य तूत पुन पि सा व
समस्त सा के या त तूत त विष्णु ब्रह्म मान या य धर्म उप दे स विद्या उा जि वा ना ता व
सिस्त हने अहं पुयि विमं न्त स अहं देव तानं वा स या ना उा वानं अहं देव ता प नि स्मः
स्तु या ध उा १ अनूता उा न वा न ना देव ता धाय का उा अहमि ब्रह्म या अनूता वनं

वहिस्र

॥२६॥

थूका स्वर्ग सवा नाडा चतुर्वेद पद पाडा वक्रा धय काडा चाने हने जून्य गमाया जा
लदय काडा विस्तु धय काडा चाने हने हुं हानया दिग पा ल धय काडा जप माला ध
प्रनाया नाडा माहा देव धय काडा चाने थूका हने ताना गन पनिस्य नलिव काडाः मा
हा शुवनं सम्य नू उला शा शा चंद्र मा धय काडा सम्य नू उला शा चाने हने नडा ग्रह पन
स्य नलिव काडा शा सूर्य धय काडा चाने हने दिग २ सवा नाडा चतुर्मी हा ना जा धय
काडा हुं हानया नाडा चाने हा वसिष्ठ थयि गु माहा उरु मजू या डा चाने गू जू व

२६॥

विधि

मिब्रलुगुगुकामनायामउगुलिरुलविद्युताध्वब्रलुवेंदं^{का}मयास्यधनलुप्यमालुखं
दियातसाथमनंखेंदिजूयाउननकसनायकथिउपापिषुनंमूचिमासनमूधिषु
नयाथिउाहुदुयामालुनंमूधिषुनेयातकाउामाहातकिजूयाउननकसचलुपं
सहधर्मकुयजूयाउागुमानंमूहकनवधयूजूयाउाउर्गर्तिसलायकयूहावसिषुथरु
याकाननसथूगुलिव्रलुमाक्षलायकामूयाकमयातनउखेंदरुलुमउधकंधाउा
गुननाउावसिषुनिधिनंविनंतियार्तं होनाथम्यवदवलाकपनिस्यनंचुलुपाल

वर्हिष

२७॥

नेथ्वभूसुमिवरुयाडागुनन्यधूनआडाथूगूलीवर्हमयास्यचानंदवलाकसूंदडा
लाथ्वसंसाससभून्यकनाजापनिदडालाथ्वपनिस्यनंथ्ववरुयायमासलाधकवि
तियातेथ्वतेवसिसुमधियाविनतिववनननाडाथीसाकभूनिहगवानननजूलसां
भूलादयकलंहावसिष्ठमधियुडागथधमलसांस्वगूलिरुवनयाजितापतिमा
धयानामनगनत्रुगुलिदडाथ्वरुवनसउयाखंधनामदवपूत्रकभूदडाथ्वग
थिभूदवपूत्रधमलसामाहाविष्टानूयपयकर्मदडाविवरुवनसांकलरावविधि

२७॥

विधि

विंशत्सहस्रविंशतुपाखंडधयास्तदेवपूत्रकुम्भवसस्तथाताशानतावसिद्धध्वनजूल
सांजन्मजन्मपथिभूवृमिवरुयानाताशानेध्वयापून्ययाप्रतावनसूधभूत्माजू
यातास्वर्गवासनाताथनियाभूतातलेन्यास १०० लयनिवातनलिवकाता
भूवृमिवरुधनलयातास्वर्गसंभानंदनेतानाताशानेकुम्भनधलसाभूतका
लसमाभलायकामूनायानातातावसिस्तहनंकुडूयादिनसगुभवकंसिलाध
यानगनसंभानवनमाहाविहानसंभानावलसजिनजूलसाध्वभूवृमिवरुप

वैश्व

२४

कासया नावलस सकेकु या नात्रि कात्त संध्या नागाव संध्या नया नाडा वा नावल स
समस्त हि सुग नपनि स्य नं लि च काडा विधि जनमून काडा ध्यान या नाडा वा नाव
स संभक्त उपाखध देव पूत्र न जूल साड संत्स पत्रि वाय पनी स्य नं लि च काडा ना नाप
काव या पूजा जोल नं जो नाडा विधि पूर्व केने पूजा धून काडा जिक दिन नियातं ताव
सिद्ध जिन जूल साड पद सविया डा जिन वतु नो ध्यान सवा ना उ सुद्ध या नात्रि सउया
संध नं विन नियात गाय ध्या स सा भाक्ष मार्ग विस्व विष्णु हं न्य ध के धा डा गु ड ना डा

२४

निष्

जिन जूल साधया हा उ पाखंधधकं कुने जूल सा भू सुमि वल या भू नू हा वने जन्म
जना व्याधि मृतु त्य मू म्याल कं कुन त स्वर्ग वास ला तं भू मृत हा गया य द ता ह न सि
प त स र ड ध न रू ल त्या यि ड ध कं हा उ पा खं द कु न त उ प द स वि य ध क ध या उ गू व
ने ड ना ड भू ति न सं ता या ड ध न्य २ कु ल या ल ध कं च न न सं हा क पू या ड वि न ति या तं
हा सर्व रू कु ल या ल या कु या ने जन्म जना व्याधि मू म्याल कं जि त प्र स नं जूल हा सर्व
रू कु ल या ल या च न न स वा न वा ने सह सु का ति न म स्का न कु ल या ल या त भू हा गः

वि.स.

२९

प्रनामं हाहाकारं भ्राता जिस्वर्गसज्जन्मजूयाया साहस्यजूलः जिमाहाहाहूमा
जिजूलः हाशीसाकं नाजकुलपातगयि क्कधलसासमसुदवयाहगुजूयाडाभू
धिपतिधयकाडा नवग्रहयव्यगदया वाक्कसिष्ययानाडा विद्याक क्ककुलपात
धुकाः हासाकं मूलिकुलपातया चननसं सहस्रकृतिप्रनामयनापूर्वकात्सः
जन्मजूयाडा जन्मजन्मपतिकुलपातया धर्मपूजिथूका॥

मिबुरुकथहायाप्रथमजन्मसमाप्ता॥ २९॥ ५॥ यनलिहने विनतियायगथध

२९

३

॥ ५॥ ५॥ यनलिहने विनतियायगथध

लसाउगुलिजन्मसङ्कुलपातविष्ठाकगुवनयानामनपावनधकं नामजूयाचागु
वनसविष्ठाकवलसङ्कुलपातयाविष्ठावकुनामागुजिनेविनतियायगत्थधमल
साङ्गापाविदुर्ताधयानामनगनसङ्कुगुलिटस्यवानथ्वनगनससिविनाजाधकं
नामजूयाडावानझनाजायापूत्रधयकाडावानझविस्वान्त्रधयकाडाजन्म
जूस्यविज्यातःश्ववत्सससिविनाजानमनसहर्षमानयानाडाजातकर्मभूदिवि
धिविधानधूनकाडाजातिकपेटितपनीतयाडाङ्कुलपातयातजारूपमाननेविस्वा

२था

विस्वा

३०

कुनधकं नाम कर्म यं नाश प्रव्याकयातं तानि त्रेजन अवेत्त सदसया प्रजागन
सकलया मनसहर्षमानया नाशानं यंदं मिजि संता सुत ताधन न्न नाज कूमान
जन्म जूलध कधया ताथिधिधर्मविरुजू याशाना नाधर्मया नाशान ॥ थनसि
हं नाथ ता प्रविस्व कुन नाज कूमान कथथ सूक्र पक्षय च दे माजा ता थ थ विस्व कुना
ज कूमा तत ताधि कल जू या ता तातः अवेत्त सगूत्र या त त ता ता ना ता विद्या सा सु को
य का वं जा ग ध्यान सकला सा सुन स पू र्ण जू स लि ह नं ना ना सि ला क क र्मा दि नं पू र्ण

३०

३